उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–07(12/20)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बुधवार को जनपद टिहरी गढ़वाल के देवप्रयाग में तीन धारा के समीप हुई वाहन दुर्घटना में मृतकों के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करने तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(12/19)

मुख्यमन्त्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा भारत सरकार के ''न्यू इण्डिया मन्थन, संकल्प से सिद्धी'' कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दोगुनी करने के लिये कार्ययोजना तैयार करने हेतू दिए गए निर्देशों के क्रम में सचिव, कृषि, श्री डी0 सैन्थिल पाण्डियन द्वारा 300 फार्म मशीनरी बैंक जिनकी लागत 24.00 करोड़ रू0 है, के सम्बन्ध में भारत सरकार के संयुक्त सचिव (एम0 एण्ड टी0) कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा दूरभाष पर सैद्धान्तिक स्वीकृति करायी गयी है। केन्द्रपोषित योजना सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत 300 फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना करने की अतिरिक्त कार्ययोजना भारत सरकार को प्रेषित कर दी गयी है। उक्त 300 फार्म मशीनरी बैंक में से 130 की स्थापना Integrated Livelihood Support Programme (ILSP) के अन्तर्गत चयनित क्लस्टरों में की जायेगी, शेष फार्म मशीनरी बैंक कृषि विभाग/उद्यान विभाग द्वारा चयनित क्लस्टर में संचालित की जाऐगी। फार्म मशीनरी बैंक पर्वतीय क्षेत्रों में 80 प्रतिशत अनुदान पर कृषकों को क्लस्टर में उपलब्ध कराये जायेंगे। स्थानीय स्तर पर उपयोगी कृषि यंत्र यथा– पावर वीडर, पावर टीलर, छोटा ट्रैक्टर, मंडुवा थ्रेसर, जल पम्प, कृषि रक्षा यन्त्र, ब्रश–कटर, चैफ–कटर, एच0डी0पी0ई0 पाईप आदि दिये जायेंगे, जिसके द्वारा कृषक (हायरिंग) किराये पर उपयोग कर अतिरिक्त आय अर्जित करने का साधन होगा तथा सम्बन्धित को रोजगार प्राप्त होगा। समय से कार्य पूरा हो जायेगा, श्रम की बचत होगी, कृषि कार्यों की लागत कम होगी, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(12/18)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर शहीद सैनिकों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण करते हुए सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों तथा शहीद सैनिकों के परिजनों के कल्याण के लिए सभी से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में उत्तराखण्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। राज्य सरकार द्वारा सैनिकों के कल्याण हेतु अनेक कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की हैं। सैनिक एवं अर्द्धसैनिक बलों मे ड्यूटी के दौरान वीरगति को प्राप्त होने वाले उत्तराखण्ड निवासी जवानों के आश्रितों को राज्य सरकार द्वारा उनकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर सेवायोजित करने का निर्णय लिया गया है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

खटीमा / देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(12 / 17)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा आज खटीमा में 70 करोड 51 लाख की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। जिसके अन्तर्गत 20 करोड 71 लाख की 10 योजनाओ का लोकार्पण व 49 करोड 80 लाख की 25 योजनाओ का शिलान्यास शामिल है। श्री त्रिवेन्द्र द्वारा इस अवसर पर खटीमा नागरिक चिकित्सालय का शुभारम्भ भी किया गया जो 14 करोड 19 लाख 49 हजार की लागत से बनाया गया है। विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि प्रदेश मे अच्छी स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा स्वास्थ सेवाओ को चुस्त दुरूस्त करने के लिए दूरस्थ क्षेत्रो में भी डाक्टर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश मे डाक्टरों की नियुक्ति हेतु विज्ञप्तियां जारी की जा चुकी हैं जिसके अन्तर्गत 02 हजार डाक्टरों द्वारा आवेदन किये गये हैं अब हमे शीघ्र डाक्टर उपलब्ध हो जायेंगे। उन्होने कहा चिकित्सा के क्षेत्र मे टैलीमेडिसिन व टैली रेडियोलॉजी उत्तराखण्ड मे भी लागू की जा रही है जिसके अन्तर्गत अभी तक 12 चिकित्सालयों मे टैली मेडिसिन व 10 चिकित्सालयों मे टेली रेडियोलॉजी प्रारम्भ की जा चुकी है। आज ही 04 अन्य चिकित्सालयों मे टैली मेडिसिन प्रारम्भ कराने हेतु एमओयू किया गया है। उन्होने कहा हम नई तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं नई तकनीक के प्रयोग से अन्य विदेशी चिकित्सकों को भी जोडा जायेगा। उन्होने कहा उपनल की विसंगतियो को दूर किया जायेगा। किसानो के हितो को देखते हुए शुगर मिलो को पीपीपी मोड पर दिया जा रहा है। पीपीपी मोड पर चीनी मिलो को देने से जहां चीनी मिलो का आधुनिकीकरण होगा वही रोजगार के अवसर बढेंगे। उन्होने प्रदेश मे बढ रही हडतालो पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रदेश को हडतालमुक्त प्रदेश बनाया जायेगा, प्रदेश मे न्यायपूर्ण तरीके से सरकार चलाई जायेगी। उन्होने कहा प्रदेश सरकार लघु व सीमांत कृषको के लिए 02 प्रतिशत की ब्याज दर से 01 लाख का ऋण उपलब्ध करा रही है, अभी तक प्रदेश मे 46 हजार किसान इसका लाभ ले चुके है। उन्होने कहा इस योजना के अच्छे परिणाम आने पर इसकी सीमा को बढाया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र द्वारा खटीमा मे शहीद स्थल पर भव्य स्मारक स्थल बनाये जाने, देवीपुर–ज्ञानपुर गौडी सडक निर्माण व लामाखेडा पुल निर्माण की घोषणा की। उन्होने कहा पतलिया मे स्टेडियम के निर्माण व लालकोठी, शारदाघाट मंदिर व भारामल मंदिर के सौन्द्रयीकरण के कार्य भी कराये जायेगे।

क्षेत्रीय सांसद भगत सिंह कोश्यारी ने खटीमा के शहीदो को नमन करते हुए कहा खटीमा मे बडे प्रयासो से चिकित्सालय की आस पूरी हुई है। उन्होने कहा प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड के सभी लोगो को मूलभूत सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है।

क्षेत्रीय विधायक पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व मे प्रदेश भ्रष्टाचार मुक्त हो रहा है, आने वाले समय मे इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कार्यक्रम मे विधायक प्रेम सिह राणा, जिलाधिकारी डा0 नीरज खैरवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 सदानन्द दाते, सीडीओ आलोक कुमार पाण्डेय, निदेशक चिकित्सा स्वास्थ आरके पाण्डे, सीएमओ डा0 संजय कुमार शाह उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न विभागो द्वारा सरकार की योजनाओ के प्रचार–प्रसार हेतु अपने स्टाल लगाये थे।

सितारगंज / देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(12 / 16)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत बुधवार को सितारगंज, उधमसिंह नगर में बारह राणा स्मारक समिति के वार्षिकोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अववर पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप देश के ऐसे सेनानी एवं राजा हुये है जिन्होंने विदेशी सत्ता के खिलाफ अपनी आन, बान, शान एवं देशभक्ति की अमिट छाप छोडी। महाराना प्रताप की बीरगाथायें एवं देश भक्ति सभी के लिए प्रेरणा के श्रोत है ।

मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म सन् 1540 में हुआ वह मात्र 57 वर्ष की उम्र तक जीवित रहे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के विशाल व्यक्तित्व, देश भक्ति के जज्वे व वीरगाथाओं को सुनकर आज भी भुजाएं जोश से फडक उठती है। उन्होने कहा महाराणा प्रताप ऐसे वीर योद्धा थे जिन्होने विदेशी आक्रमणकारियों की अधीनता स्वीकार नही की तथा अपनी आन, बान, शान व देश भक्ति को बरकारार रखने के लिये आजन्म दुश्मनो से लोहा लेते रहे। उन्होने देश की रक्षा के लिये सोने की थाली का भोजन,कोमल विस्तर को त्यागकर जंगलो में रहकर घास की रोटियां खाकर जीवन बिताया किन्तु विदेशियों के आगे शिर नही झुकाये। श्री रावत ने कहा उनके वंशज आज भी हजारों की संख्या में तराई में वास करते हुये महाराणा प्रताप की देश भक्ति की परम्परा को निभा रहे है। उन्होने राणा प्रताप के वीर वंशजो को नमन व प्रणाम किया। उन्होने कहा हल्दी घाटी के प्रसंग की याद आते ही महाराणा प्रताप के वीर घोडा चेतक की याद भी स्वाभाविक रूप से आ जाती है। जिसने अपने स्वामी के प्रति समर्पित होकर राणा प्रताप को दुश्मनो के चंगुल से छुडाकर स्वंय वीरगति को प्राप्त हो गया। उन्होने कहा राणा प्रताप पशुओं के प्रति अगाद प्रेम रखते थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री रावत ने बारह राणा स्मारक समिति के प्रवेश द्वार पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की चेतक पर सवार पीतल से निर्मित भव्य प्रतिमा पर श्रद्धांसुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा यह प्रतिमा राणा

प्रताप के विशाल व्यक्तित्व की गाथा उजागर कर रही है। तदुपरांत श्री रावत ने लिंगनाथ मन्दिर के दर्शन के बाद मां सरस्वती एवं बारह राणा स्मारक के संस्थापक बाला साहब के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

बारह राणा स्मारक समिति के अध्यक्ष श्रीपाल राणा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होने स्मारक के स्थापना एवं महाराणा प्रताप के जीवन गाथा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेवा प्रकल्प संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश पाण्डे ने वनवासी जनजाति समाज का गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी। स्मारक समिति की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के उपरान्त मुख्यमंत्री श्री रावत बारह राणा स्मारक छात्रावास के छात्रों से भी मुलाकात किये।

इस मौके पर विधायक डा0 प्रेम सिंह राणा व पुष्कर सिंह धामी समेत जिलाधिकारी डा0 नीरज खैरवाल, एसएसपी डा0 सदानंद दाते सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नोट– जिला सूचना कार्यालय, ऊधम सिंह नगर से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(12/15)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर होमगार्ड के जवानों व नागरिक सुरक्षा के स्वंय सेवकों को शुभकामनायें दी। उन्होने 17 अधिकारियों को उनके द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इस अवसर पर आयोजित रैतिक परेड की सलामी ली तथा होमगार्ड मुख्यालय के विस्तारित भवन का भी लोकार्पण किया।

तपोवन रोड, ननूरखेड़ा स्थित होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने सेवा के दौरान मृतक दो होमगार्ड जवानों, उधम सिंह नगर निवासी स्व0 सुरेन्द्र कुमार तथा पौड़ी निवासी स्व0 भवानी प्रसाद की पत्नियों को 5–5 लाख की धनराशि के चेक भी प्रदान किये। उन्होने इस अवसर पर होमगार्ड व नागरिक सुरक्षा की स्मारिका तथा जिंगल वीडियो का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य देश में सबसे सुरक्षित राज्यो में दूसरे स्थान पर आ गया है। यह हमारी सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, पुलिस व सुरक्षा बलों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, इसमें सुरक्षा से जुडे संगठनों का बडा योगदान है। इस दिशा में हम देश में पहले नम्बर पर आये इसके लिये सभी को समेकित प्रयास व भागीदारी निभानी होगी, इसके लिये हमारी प्रकृति भी हमारा सहायोग करती है।

उन्होने कहा कि राज्य की आन्तरिक सुरक्षा के साथ ही आपदा राहत, स्वच्छता मिशन, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा व सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित विभिन्न अवसरों पर होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाता रहा है। उन्होने कहा कि जवानों को शाररिक दक्षता के प्रति भी विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि शरीर स्वस्थ होने से मन व बुद्धि भी स्वस्थ रहती है। वर्दी के साथ अनुशासित रहकर आदेशों के अनुपालन की जिम्मेदारी रहती है। प्राकृतिक दृष्टि से हमारा राज्य आपदा प्रभावित रहता है। हिमालय की नाजुकता से केदारनाथ जैसी आपदाओं का हमें सामना करना पडता है। ऐसे में होमगार्ड जैसे संगठनों का बड़ा योगदान रहता है। उन्होने कहा कि रैतिक परेड़ में जवानों के कदम से कदम ही नहीं मिलते उनके दिल भी मिलते हैं, इससे साथ चलने की भी प्रेरणा मिलती है। उन्होने कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुए हिमाचल विधानसभा चुनावों में राज्य के एक हजार होमगार्डो की सेवा ली गई, इससे चुनाव आयोग का विश्वास हम पर बना। उन्होने कहा कि इन संगठनों की मजबूती के लिये राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा।

इस अवसर पर कमाण्डेंट जनरल होमगार्ड एवं निदेशक नागरिक सुरक्षा श्री आर0एस0मीणा ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि प्रदेश में 6411 पुरूष व महिला होमगार्ड के जवान कार्यरत है।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा, विधायक श्री उमेश शर्मा 'काऊ', कुंवर प्रणव सिंह ''चैम्पियन'' सहित पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 06 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(12/14)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार को टेली मेडिसन के द्वारा पहुचांने हेतु ई–हैल्थ सेंटर की शुरूआत के लिये राज्य सरकार द्वारा देश की प्रमुख आई0टी0 कम्पनी एच0पी0 (हेवलेट पेकार्ड इन्टरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड) के साथ एमओयू किया गया। अनुबंध के अनुसार एच0पी0 कम्पनी उत्तराखण्ड के 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर टेली मेडिसिन सेवाएं प्रदान करेगी। कम्पनी द्वारा इन 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगभग 65 प्रकार के मेडिकल टेस्ट करवाने व तुरन्त रिजल्ट अपलोड करने के साथ ही प्रमुख व आवश्यक पैथोलॉजी उपकरण तथा आई0टी0 उपकरण प्रदान किये जायेंगे। साथ ही एक–एक स्टूडियो भी स्थापित किया जायेगा। स्टूडियो में कम्पनी की ओर से स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद रहेंगे। इन 04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आने वाले मरीजों को टेली मेडिसन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा सेवायें प्रदान की जायेगी। कम्पनी चयनित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात चिकित्सकों एव पैरामेडिकल स्टाफ को ट्रैनिंग देगी ताकि इलैक्ट्रोनिक मेडिकल रिकार्डस का रख–रखाव एवं एवं सम्बधित उपकरणों के संचालन सुनिश्चित किया जा सके। टेली मेडिसिन सेवाओं से सम्बन्धित समस्त रिकार्ड कम्पनी द्वारा सम्बन्धित चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी को हस्तान्तरित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा टेली मेडिसिन से सम्बन्धित चिकित्सालयों पर पेरा मेडिकल स्टाफ एवं नर्स आदि एवं टेली मेडिसिन स्टूडियो में चिकित्सक उपलब्ध करवाया जायेगा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा टेली मेडिसिन से सम्बन्धित चिकित्सालयों पर ब्रॉड बैंड सेवा की निरन्तरता को सुनिश्चित किया जायेगा। प्रायौगिक तौर पर एच0पी0 कम्पनी (हेवलेट पेकार्ड इटरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड) उक्त 4 सामुदायिक केन्द्रों पर यह सेवायें प्रदान करेगी एवं इसके सफल परिणामों के आधार पर इसे विस्तारित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि कम्पनी द्वारा कार्पोरेट सोशियल रिसपोंसिबिलिटी के अर्न्तगत उत्तराखण्ड में टेली मेडिसन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार सेवाओं के संचालन हेतु यह पहल की गयी है। कम्पनी द्वारा इसके लिए वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली श्रीनगर मेडिकल कालेज में भी स्टूडियो स्थापित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में टेली मेडिसिन वरदान सिद्ध हो सकती है। राज्य सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में टेली मेडिसिन सेवाओं का महत्व समझती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पौड़ी तथा राज्य के 12 अस्पतालों में पीपीपी मोड पर टेली रेडियोलॉजी सुविधा का शुभारंभ किया गया। राज्य के 23 अन्य अस्पतालों में भी टेली रेडियोलॉजी सेवा शीघ्र ही प्रारम्भ कर दी जायेगीं। इस प्रकार टेली रेडियोलॉजी सुविधा अपनाने वाला उत्तराखण्ड पांचवा राज्य बन गया है। साथ आज के एमओयू द्वारा टेली मेडिसिन अपनाने वाला उत्तराखण्ड देश का 17वां राज्य बन चुका है। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर विशेष फोकस कर रही है। अब राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में भी लोगो को हर बीमारी का उपचार तय समय पर मिल सकेगा। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा तकनीकी के प्रयोग के साथ ही राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की कमी पूरी करने हेतु ठोस कदम उठाये जा रहे है। पूरे देश से डाक्टरों को राज्य में सेवाएं देने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। भारतीय सेना समेत अन्य राज्यों से दो हजार से अधिक चिकित्सकों के आवेदन प्राप्त हुए है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के प्रति राज्य सरकार विशेषरूप से संवेदनशील है। सरकार द्वारा दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में डॉक्टर्स का स्थान्तरण किया गया है, जिसमें से 90 प्रतिशत चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम अपने दुर्गम पर्वतीय स्थानों पर भी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स उपलब्ध करा सके। इस दिशा में टेली मेडिसन, टेली रेडियोलॉजी जैसी सुविधाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि टेली मेडिसिन जैसी सेवाओं के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी बहुत जरूरी है। हम कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष ध्यान दे रहे है। शीघ्र ही सीमान्त क्षेत्रों को आईआईटी मुम्बई के सहयोग से बैलून इन्टरनेट सेवाओं से जोड़ा जाएगा। उन्होंने इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाये दूरस्थ पर्वतीय अचंलो के साथ ही यमुना वैली में भी इसकी विशेष जरूरत बताई।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री ओम प्रकाश, सचिव श्री नितेश कुमार झा, श्रीमती राधिका झा, स्वास्थ्य महानिदेशक डा0 अर्चना श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के सलाहकार डा0 नवीन बलूनी तथा हेवलेट पेकार्ड इन्टरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी श्री सुशील बाटला आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।